'kksd lans'k

बिना बादलों के बिजली गिरने की चर्चा तो सुनी थी, लेकिन यहां अपनी आंखों से भारत की तरूणाई को पूरी तरह से विकसित होने से पहले ही कालक्रूर ने उनको हमसे छीन लिया। प्रमोदजी के निधन से देश ने तरूणाई के प्रबल प्रवक्ता ज्वलंत प्रतिनिधि कुशल संगठनकर्ता को खो दिया है। परिश्रम उनकी लगन सबको साथ लेकर चलने की कुशलता केवल पार्टी के ही काम नहीं आती थी देश के निर्माण में भी अहम थी। उन्होंने अपने लिए वह स्थान बनाया, जिससे हमने विरोधी का भी विश्वास प्राप्त करने में सफलता दिखाई। प्रमोद जी विभिन्न पदों पर रहे। मुख्य रूप से संगठनात्मक जिम्मेवारी का ठीक से निर्वाह किया। मैं प्रमोदजी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। और परमात्मा से उनके परिवार को इस दुःख की घड़ी से पार पाने की प्रार्थना करता हूं।

vVy fcgkjh okt i;h